वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 166 | शुक्रवार 13 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मदन जयपुरी स्मृति शास्त्रीय संगीत समारोह में दी प्रस्तुति

अनवर हुसैन ने संतूर पर बहाया सुरों का झरना, हुल्लास पुरोहित ने किया राग छायानट का शृंगार

जयपुर. कासं। आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के ए ग्रेड कलाकार रहे संगीतज्ञ मरहूम मदन जयपुरी की 23वें पुण्यतिथि पर शास्त्रीय संगीत समारोह शास्त्रीनगर स्थित संगीत आश्रम संस्थान परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में युवा कलाकार हुल्लास पुरोहित ने अपनी तैयारी पक्ष और रियाज और उम्दा प्रदर्शन कर मौजूद संगीतप्रेमियों को आनंदित कर दिया। कलाकार हुल्लास ने अपने कमाले फन से सुरों के खूबसूरत लगाव व ठहराव से राग छायानट का नैसर्गिक सौंदर्य छलकाया। उन्होंने विलंबित लय एक ताल में विलंबित एकताल में निबद्ध बड़ा ख्याल की बंदिश की बेहतरीन प्रस्तुति दी। उन्होंने इसी राग में छोटा ख्याल की बंदिश भी पेश की। तबले पर सलामत खां व संवादिनी पर भानू राव संगति की। कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ कलाकार अनवर हुसैन ने संतूर साज पर सुर साधे। उन्होंने सुरों की खूबसूरत आईनबंदी कर राग चारुकेशी का शृंगार किया। उन्होंने सधे हाथों से संतूर पर सुरों का झरना बहाया।

जेकेके में शुरू होगा तीन दिवसीय शरद रंग महोत्सव

नृत्य, संगीत और फोटोग्राफी के होंगे कार्यक्रम, बांसुरी वादक चेतन जोशी की होगी प्रस्तुति

जयपुर. कासं

डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान 13 अक्टूबर से तीन दिवसीय शरद रंग महोत्सव का आयोजन जवाहर कला केन्द्र में आयोजित करेगा। यह कार्यक्रम उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, पटियाला की सहभागिता और जवाहर कला केंद्र के सहयोग से होगा। इसमें नृत्य, संगीत और फोटोग्राफी के कार्यक्रम होंगे। डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान की अध्यक्ष और प्रमुख शासन सचिव, सहकारिता श्रेया गुहा ने बताया कि 13 से 15 अक्टूबर को मुंबई के सेलिब्रिटी फोटोग्राफर शिरीष करार्ले फोटोग्राफी की कार्यशाला लेंगे, जिसमें फोटोग्राफी के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी और प्रेक्टिकल सेशन भी होंगे। कार्यशाला में प्रवेश पंजीकरण के आधार पर होगा, जिसका लिंक डेल्फिक राजस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है। कार्यशाला का उद्घाटन अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा शुभ्रा सिंह की ओर से सुबह 10.30 बजे किया जाएगा। प्रसिद्ध फोटोग्राफर और भारतीय वन सेवा के अधिकारी अरिजीत बनर्जी, जितेंद्र सोनी आईएएस भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। कार्यशाला जवाहर कला केंद्र के कृष्णायन सभागार में होगी। उन्होंने बताया कि जवाहर कला केंद्र के रंगायन में 14 अक्टूबर को शाम 7 बजे दिल्ली के प्रसिद्ध नृत्य गुरु और कोरियोग्राफर संतोष नायर की नृत्य नाटिका मिस्टिकल फॉरेस्ट का मंचन होगा। ये नृत्य नाटिका वन क्षेत्रों में रहने वाले जनजातीय समुदाय को आधुनिकीकरण के कारण होने

वाली परेशानी से दर्शकों को कलात्मक ढंग से रूबरू करवाते हुए ये संदेश देती है कि जीवन में जितनी सादगी और सरलता होगी जीवन उतना ही आनंदमयी होगा। गुहा ने बताया कि 15 अक्टूबर को रंगायन में प्रसिद्ध नृत्यांगना मनीषा गुलियानी की कथक प्रस्तुति और दूसरा कार्यक्रम बांसुरी वादन है, जो कि झारखंड के प्रसिद्ध बांसुरी वादक चेतन जोशी द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। कुछ दिनों पहले ही चेतन जोशी के निर्देशन में जी-20 शिखर सम्मेलन में 121 वाद्य यंत्रों की सिंफनी प्रस्तुत की गई थी। 15 अक्टूबर को जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ मुख्य अतिथि होंगे।

बेरोजगार संघ के अध्यक्ष उपेन यादव लड़ेंगे विधानसभा चुनाव: बोले...

इस बार युवाओं के पास रहेगी जीत की चाबी

जयपुर. कासं

राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव भी विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने ऐलान किया कि युवा बेरोजगारों की आवाज बुलंद करने के लिए विधानसभा चुनाव लड़ूंगा, जो पार्टी युवा बेरोजगारों का साथ देगी, उसका साथ युवा बेरोजगार देंगे। इस बार चुनाव में जीत की चाबी युवा बेरोजगारों के पास रहेगी। हालांकि उपेन यादव ने अभी पार्टी और सीट को लेकर उन्होंने कोई जानकारी नहीं दी है। उपेन यादव ने कहा मैंने 11 साल 8 महीने बेरोजगारों की आवाज बुलंद करने के लिए सड़क पर लड़ाई लड़ी

और अब विधानसभा में लड़ूंगा। उन्होंने कहा- प्रदेश में 30 से 40 लाख शिक्षित युवा बेरोजगार है, जिनकी 25 नवंबर को होने वाले चुनावों में बड़ी भूमिका होगी। एक युवा बेरोजगार से करीब पांच सदस्य जुड़े हुए हैं, ऐसे में दो से ढाई करोड़ मतदाताओं की भूमिका इन चुनावों में बड़ी महत्वपूर्ण रहेगी। यादव ने कहा- युवा बेरोजगारों के भविष्य के लिए दोनों सरकारों में संघर्ष किया है और संघर्ष के बाद यही निष्कर्ष निकला है कि सरकारों में युवाओं की भागीदारी होनी चाहिए।

चुनावों में रहेगा युवा बेरोजगारों को महत्वपूर्ण रोल

उपेन यादव ने कहा- सभी पार्टियों की कार्यशैली और युवा बेरोजगारों के हित में कार्ययोजना को देखते हुए अंतिम निर्णय लेंगे कि कौन सी पार्टी युवा बेरोजगारों के हित में रहेगी। दिसंबर 2018 में कांग्रेस सरकार बनने के बाद 7 जनवरी 2019 से युवा बेरोजगारों के भविष्य के लिए संघर्ष शुरू किया था और 9 अक्टूबर 2023 को आचार संहिता लगने तक संघर्ष जारी रहा और पिछली सरकार में भी लगातार 5 साल संघर्ष जारी रहा था। 2013 में भारतीय जनता पार्टी को युवा बेरोजगारों ने समर्थन दिया तो सत्ता में भारतीय जनता पार्टी आई। 2018 में कांग्रेस पार्टी को युवा बेरोजगारों में समर्थन दिया तो सत्ता में कांग्रेस पार्टी आई। इस बार भी युवा बेरोजगारों का चुनावों में बड़ा महत्वपूर्ण रोल रहेगा।

कामां निवासी संजय जैन बड़जात्या बने जैन युवा परिषद के प्रदेश संयुक्त महामन्त्री

कामा, भरतपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद राजस्थान प्रदेश की नवीन कार्यकारिणी का प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन जयपुर ने बुधवार को घोषणा करते हुए कामां निवासी संजय जैन बड़जात्या को प्रदेश संयुक्त महामन्त्री पद पर नियुक्त किया। युवा परिषद कामां के अध्यक्ष मयंक जैन लहसरिया ने बताया कि युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन की अनुशंषा पर जैन युवा परिषद की प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया गया है जिसमे समाज सेवा में सक्रिय भूमिका का निर्वाह करने वाले कामां युवा परिषद के वरिष्ठ संजय जैन बड़जात्या को प्रदेश सँयुक्त महामन्त्री के पद पर नियुक्त करने से युवा परिषद कामां का गौरव बढ़ा है। इस अवसर पर युवा परिषद कामां के पदाधिकारियों, सदस्यों व धर्म जागृति संस्थान के अध्यक्ष संजय सर्राफ द्वारा बड़जात्या को बधाई दी। ज्ञात रहे 6 वर्ष पूर्व ग्यारह अक्टूबर को ही दिल्ली में आयोजित वृहद समारोह में आचार्य वसुनंदी महाराज के सानिध्य में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम आचार्य देशभूषण पुरुष्कार से भी बड़जात्या को सम्मानित किया गया था। बड़जात्या धार्मिक संस्थाओं के साथ साथ सामाजिक संस्थाओं जायन्ट्स ग्रुप ऑफ कामवन एवं अपनाघर सेवा समिति कामां में भी सक्रिय भूमिका में रहते हैं।

धर्म ही साथ जाता है बाकी सब यही पर धरा रह जाता है: महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। मनुष्य संसार की सम्पूर्ण कलाओं मे पारंगत और महारत हासिल करने बाबजूद अगर उसमे धर्म की कला को प्राप्त नहीं की है तो सारी कलाएं प्राप्त करना बेकार और निरर्थक है। गुरूवार जैन भवन के मरूधर केसरी दरबार में महासती धर्मप्रभा ने धर्म अराधना करने वाले सभी श्रध्दांलूओ से कहा कि धर्म श्रेष्ठ कर्मो का रूपान्तर है। अंतिम समय मे धर्म ही साथ जाता है बाकी सब कुछ यही पर धरा रह जाता है। मनुष्य के जीवन मे धर्म नहीं आया तो उसका संसार मे जन्म प्राप्त करने लेना व्यर्थ है। धर्म की शिक्षा ही जीवन का निर्माण और आत्मा का उत्थान करती है बाकी सारी कलाएँ किसी भी काम की नहीं है धर्म कि कला मे पारंगत हो जाने वाले मनुष्य को संसार किसी और कलाओ को प्राप्त करने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि धर्म ही इस लोक और परलोक का निमार्ता है। वही एक ऐसा सुगम मार्ग है जो जीवन की नैया को पार लगाने में सहायक होता है।साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्तराध्ययु सूत्र की तेरहवीं गाथा का वर्णन करतें हुए बताया कि मोह की बेड़ियों मे जकड़ा और फंसा इंसान अंधा और बहरा होता है ऐसे मनुष्य को कितने भी धर्म के उपदेश दे देवें। वह उपदेशों को सुनता नहीं है ऐसे मोह से डूबे व्यक्ति को धर्म के उपदेश देना व्यर्थ है। साहुकार पेट श्रीसंघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देतें हुए बताया की धर्मसभा अनेक श्रावक श्राविकाओं के साथ साहुकारपेट श्री एस.एस.जैन संघ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी, मंत्री सज्जनराज सुराणा, हस्तीमल खटोड़,शांतिलाल दरड़ा, शम्भूसिंह कावड़िया आदि सभी की उपस्थित रही।

विशेष मति माताजी के दीक्षा दिवस पर जनकपुरी में दस दिवसीय विशेष कार्यक्रम

शनिवार 14 अक्टूबर को मुनिसूव्रत नाथ विधान तथा 24 को सोलह मंडलीय भक्तामर विधान का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में प्रवास रत गणिनी आर्यिका श्री 105 विशुद्ध मति माताजी की युवा शिष्यक बालयोगिनी आर्यिका श्री 105 विशेष मति माताजी के सोलहवें दीक्षा दिवस पर दस दिवसीय कार्यक्रम 15 अक्टूबर से आयोजित किए जा रहे है। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की मुख्य कार्यक्रम मंगलवार 24 अक्टूबर दशहरे के दिन आयोजित होगा। कार्यक्रमों के पोस्टर को भगवान नेमिनाथ के समक्ष अर्पित कर आर्यिका श्री के सानिध्य में विमोचन किया गया। कार्यक्रम में 15 से नो दिन आर्यिका विशुद्ध मति माताजी लिखित भक्तामर मण्डल दीप अर्चना रिद्धि मंत्रों के साथ की जाएगी जो की समाज के अलग अलग परिवारों द्वारा प्रायोजित होगी। इससे पहले शनिवार को आर्यिका श्री के सानिध्य में तीर्थंकर भगवान श्री 1008 मुनिसूव्रत नाथ का संगीतमय मण्डल विधान पूजन का आयोजन रखा गया है। सोलहवें दीक्षा दिवस के दिन सोलह मण्डलीय भक्तामर मण्डल विधान पूजन, गुरु पूजन आदि वृहद् कार्यक्रम आयोजित होंगे जिसमे आसपास के गावों व स्थानीय समाज के गणमान्य श्रेष्ठियों की सहभागिता होगी।

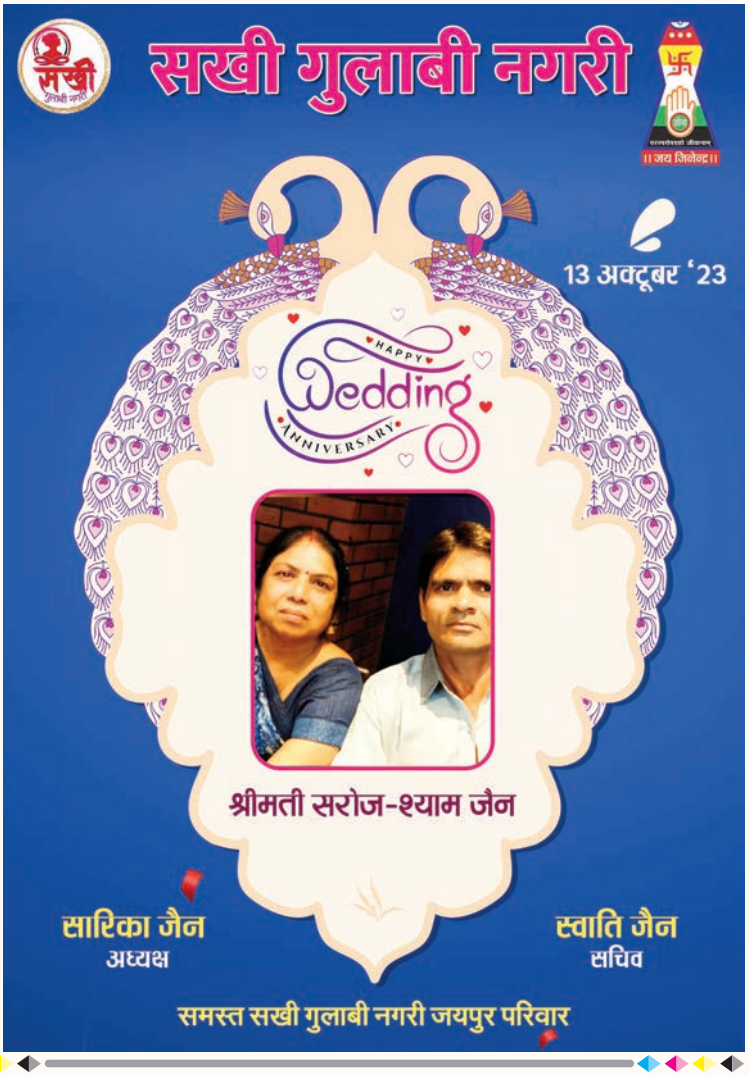

महावीर इंटरनेशनल के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर अनिल जैन का सूरत आगमन

सूरत. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल अपेक्स के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर अनिल जैन अपने द्विदिवसीय दौरे पर सूरत पधार रहे हैं। जानकारी देते हुए रिजन-8 के अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीर गणपत भन्साली ने बताया कि वीर अनिल जैन सूरत में 13 अक्टूबर को नए प्रारम्भ हो रहे महावीर इंटरनेशनल वीरा दृष्टि शाखा के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। यह उल्लेखनिय है कि वीरा निशा सेठिया के नेतृत्व में महावीर इंटरनेशनल सूरत वीरा 'दृष्टि' केंद्र का शुभारंभ हो रहा है व इस शाखा की शुरूआत 51 विराओं के साथ होगी। यूथ डेवलोपमेन्ट के इंटरनेशनल डायरेक्टर वीर सन्दीप दांगी ने बताया कि वीर अनिल जैन की उपस्थिति में 14 अक्टूबर को महावीर इंटरनेशनल सूरत मुख्य शाखा द्वारा एक अल्पाहार मीटिंग का आयोजन किया गया है। जिसमें वीर अनिल जैन वीर-विराओं का मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। मेम्बरशिप एन्ड सेंटर डेवलोपमेन्ट के इंटरनेशनल डायरेक्टर वीर सुरेन्द्र मरोठी ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल की देश भर में तकरीबन 300 शाखाएं व इससे जुड़े 10000 हजार वीर-विराएं सबको प्यार, सब की सेवा व जिओ और जीने दो के आदर्श भावों के साथ गरीबों, जरूरतमन्दों व प्राणी मात्र की सेवा में जुटे हुए हैं। महावीर इंटरनेशनल के गुजरात जोन के जोन चेयरमैन वीर विनोद संकलेचा ने बताया कि वर्तमान में संगठन की गुजरात के सूरत में 4, वापी में 1, भरूच में 1, बरोड़ा में 1, अहमदाबाद में 1 तथा गांधीधाम (कच्छ) में 1 शाखा मिला कर कुल 9 शाखाएं सेवारत है व अब सूरत में वीरा दृष्टि प्रारम्भ होने स 10 शाखाएं हो जाएगी। गुजरात के जोन सेक्रेटरी वीर भरत संघवी ने बताया कि भविष्य में बारडोली, नवसारी, बलसाड़, नड़ियाद, आनंद, पालनपुर, डीसा, दाहोद, गोधरा, राजकोट, भावनगर आदि शहरों में महावीर इंटरनेशनल की शाखाएं प्रारम्भ करने हेतु प्रयास किए जाएंगे।

राकेश गुप्ता का किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। अग्रसेन बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष, (राज्यमंत्री) राकेश गुप्ता का सम्मान अग्रवाल समाज सेवा समिति जगतपुरा समाज के गणमान्य लोगों द्वारा इनका सम्मान किया गया। समाज के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल, महामंत्री पुनीत अग्रवाल, सरक्षक महेंद्र गुप्ता, गिर्राज गुप्ता, कुंजबिहारी, निखिल, पवन, गोविंद सांघी एवम श्री निवास जी फतेहपूरिया आदि लोगो ने बधाई दी एवम 15 अक्टुबर को अग्रसेन जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया।

सुधांशु कासलीवाल का श्रमण संस्कृति बोर्ड के अध्यक्ष मनोनित होने पर किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार की ओर से श्री महावीर जी तीर्थ क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल का राजस्थान सरकार द्वारा नवगठित श्रमण संस्कृति बोर्ड के अध्यक्ष मोनिनित होने पर हार्दिक अभिनंदन किया गया। ग्रुप की ओर से संस्थापक अध्यक्ष नवीन सेन जैन, अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल, कार्याध्यक्ष सुरेश जैन बांदीकुई, सचिव गिरीश जैन, कोषाध्यक्ष कैलाश सेठी, मुख्य परामर्शक चंद्रकांता छाबड़ा, मुख्य समन्वयक शशी सेन जैन, सहकोषाध्यक्ष अजीत जैन ने माला, दुपट्टा, शॉल और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कासलीवाल साहब ने आश्वासन दिया कि जैन समाज की विभिन्न समस्याओं व गतिविधियों के बारे में सरकार के साथ मिलकर उपयुक्त कार्रवाई का भरपूर प्रयास करेंगे। नवकार ग्रुप के सभी पदाधिकारी ने पूरे तन मन धन से सहयोग का आश्वासन दिया।

विनम्र श्रद्धांजलि

श्री सुमति प्रकाश जी पाटोदी

(प्रमुख समाज सेवी, परम मुनि भक्त,मिलनसार)

के आकस्मिक निधन पर हम

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत :

समस्त ट्रस्टी एवं सदस्य

श्री 1008 अरिष्ट ग्रह निवारक श्री मुनिसुव्रतनाथ नवग्रह मन्दिर वाटिका,

सिमलिया रोड, सांगानेर,जयपुर

वेद ज्ञान

सच्ची सेवा

आनंद की प्राप्ति का स्थान संसार का कोई भी भौतिक सुख या उपलब्धि नहीं ले सकती। सेवा मानव हृदय के भीतर उत्पन्न होने वाला मिशनरी भाव है। सेवा का उद्देश्य पाना नहीं, बल्कि प्राण पण से अपने आराध्य या फिर अभीष्ट को समर्पित करना है। इसका पारितोषिक, भौतिक नहीं, बल्कि अभौतिक व अनुभूतिपरक होता है। शाश्वत आनंद प्रदान करने वाला परम तत्व अनमोल है। शाश्वत खुशी देने वाले हृदयकोश में परम तत्व की अनुभूति होती है। सच तो यह है कि आनंद की प्राप्ति का स्थान संसार का कोई भी भौतिक सुख या उपलब्धि नहीं ले सकती। नौकरी भी किन्हीं अर्थों में सेवा की ही अनुगामिनी या सहचर है, किंतु इससे मिलने वाला पारितोषिक भौतिक रूप में उपस्थित होकर क्षणिक सुख की सृष्टि रचता है और दूसरे ही क्षण इसकी प्राप्ति अथवा लब्धि से अतृप्ति, असंतोष, निराशा, घृणा, पश्चाताप, चंचलता, अरुचि और अन्यान्य नकारात्मक भाव पैदा होने लग जाते हैं। नौकरी भौतिक उन्नति या प्राप्ति की प्रत्याशा से किया जाने वाला कार्य है जिसमें समर्पण, अपनत्व, श्रद्धा व सेवा से कहीं अधिक स्वार्थपरायणता, भौतिक प्राप्ति की उत्कंठा या जिज्ञासा समाहित रहती है। नौकरी से मिले पारितोषिक से जीवन की खुशी का ग्राफ ऊपर-नीचे होकर मन को उसी अनुपात में उद्वेलित होता है। भौतिकता केंद्रित नौकरी संसार रूपी भवसागर में गोते खाने के लिए बाध्य करती रहती है, जबकि स्वार्थरहित सेवा अलौकिक आनंद के लोक का मार्ग प्रशस्त करती है। सेवा ईश्वर का स्थायी सानिध्य पाने का आनंददायी मार्ग है और नौकरी स्वयं की दुर्लभ प्रतिभा को भौतिक स्वार्थों तक ही सीमित रखती है। सच्ची सेवा स्वयं के इस भौतिक अभिनय के बंधनों को काटकर ईश्वर के साथ तादात्म्य स्थापित करने का एक स्थाई प्रमाण पत्र है। आइए निश्चय करें कि शाश्वत व वास्तविक आनंद का मार्ग नौकरी है या आनंददायी सेवा? मैं इस संदर्भ में यह बात कहना चाहूंगा कि किसी संस्थान या प्रतिष्ठान में नौकरी करने का सांसारिक व भौतिक पहलुओं के मद्देनजर अपना महत्व है। रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य संरक्षण के संदर्भ में धन की जरूरत होती है। इस तथ्य को नकारा नहींजा सकता, लेकिन मौजूदा संदर्भ में सेवा के महत्व और उससे मिलने वाले संतोष को रेखांकित करने के लिए निस्वार्थ सेवा की तुलना में नौकरी को वरीयता कम दी गई है।

संपादकीय

हर स्तर पर सख्ती बरतने की जरूरत

हरियाणा के पानीपत में पिछले महीने सामूहिक बलात्कार की घटना और अब उसके दो आरोपियों के जहर खा लेने तथा उनमें से एक की मौत के मामले ने एक बार फिर पुलिस की कार्यशैली को उजागर किया है। यह सही है कि उस वारदात के बाद पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए व्यापक अभियान चलाया और उनमें से कई को पकड़ भी लिया। यह पुलिस की तत्परता का उदाहरण है, पर सवाल है कि आखिर किन वजहों से अपराधियों को एक गरीब परिवार को बंधक बना कर सबके सामने तीन महिलाओं का सामूहिक बलात्कार करते हुए कोई खौफ नहीं हुआ। यही नहीं, उन अपराधियों ने सामूहिक बलात्कार की घटना को अंजाम देने से थोड़ी देर पहले एक अन्य परिवार से भी मारपीट की थी, उनके सामान लूट लिए और एक महिला की हत्या कर दी थी। यानी एक ही

दिन में अगर कोई गिरोह अलग-अलग जगहों पर इस तरह बेखौफ होकर अपराध करता गया, तो इसका मतलब यही निकलता है कि उसे पुलिस और कानूनी कार्रवाई की कोई चिंता नहीं थी। विडंबना यह है कि जब अपराधी बेलगाम होकर अपनी मनमानी कर रहे होते हैं, तब ऐसा लग रहा होता है कि उनके सामने कोई प्रशासनिक बाधा नहीं है। हालांकि अमूमन सभी सरकारों को यह दावा करते देखा जा सकता है कि वे अपराध पर लगाम लगाने के लिए हर स्तर पर सख्ती बरतेंगी, ताकि आपराधिक तत्त्वों के भीतर खौफ पैदा हो और जनता को उनसे मुक्ति मिले। खासकर महिलाओं को सुरक्षित माहौल मुहैया कराने को लेकर आए दिन बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं। मगर जमीन पर स्थिति यही होती है कि सरकार और पुलिस की नींद तभी खुलती है, जब कोई बड़ी घटना सुर्खियों में आती और मामला तूल पकड़ लेता है। उसके बाद प्रशासन और पुलिस की ओर से कई बार ऐसी सक्रियता दिखाई जाती है, जो अगर आम दिनों में भी कायम रहे तो अपराधियों और अपराध पर काबू पाना इतना मुश्किल न हो। सच यह है कि देश के ज्यादातर हिस्सों में सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की कार्यशैली की वजह से ही आपराधिक तत्त्वों के भीतर यह दुस्साहस पैदा होता है कि वे किसी परिवार को बंधक बना कर सबके सामने महिलाओं से सामूहिक बलात्कार जैसी घटना को अंजाम दें। पानीपत की घटना के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को पकड़ने के लिए जिस स्तर का अभियान चलाया, वह निश्चित रूप से मामले को हल करने की दिशा में ठोस कार्रवाई थी। मगर इसी क्रम में यह भी तथ्य है कि पकड़े जाने के डर से जहर खाने के चलते एक आरोपी की मौत हुई। यह खौफ उसके भीतर अपराध करने से पहले होना चाहिए था, जो कानून व्यवस्था और पुलिस की चौकसी से ही संभव है। यह माना जा सकता है कि अपराधियों के मन में क्या चल रहा है, यह पक्का पता करना हर बार संभव नहीं है। पर आशंकाओं के मद्देनजर उन्हें पकड़ कर कानून के कठघरे में खड़ा करने की कोशिश जरूर की जा सकती है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

युद्ध और विश्व...

इजराइल पर हमास के हमले के बाद भारत ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। प्रधानमंत्री ने इजराइल के प्रधानमंत्री से फोन पर बात कर उन्हें आश्वस्त किया कि भारत उनके साथ खड़ा है। भारत का यह रुख सिर्फ इसलिए नहीं है कि इजराइल से उसके रिश्ते काफी मजबूत हैं और दोनों देशों के व्यापारिक संबंध लगातार प्रगाढ़ होते गए हैं। बल्कि इस समय भारत ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि वह दुनिया में कहीं भी और किसी भी प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ है। हमास एक आतंकवादी संगठन है और जिस तरह उसने इजराइल पर हमला किया और कई सौ लोगों को मार डाला, वह मानवता के विरुद्ध उठाया गया कदम है। हालांकि इजराइल ने हमास के इस हमले को युद्ध कहा और उस पर पलटवार करते हुए पूरे गाजा क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है। उसने हमास को नेस्तनाबूद करने का संकल्प दोहराया है। इस हमले के बाद दुनिया भर से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इस्लामी देशों के लामबंद होने और इजराइल के खिलाफ बड़े युद्ध की आशंका भी जताई जा रही है। अमेरिका ने इजराइल को मदद भेजनी शुरू कर दी है। ऐसे में फिर से दुनिया दो ध्रुवों में बंटती नजर आ रही है। मगर दुनिया के तमाम देशों की प्राथमिकताएं बदल रही हैं और वे सुरक्षा से अधिक अपने व्यापारिक रिश्तों को अहमियत देते देखे जा रहे हैं। इसलिए माना जा रहा है कि फिलस्तीन के समर्थन और इजराइल के विरोध में कोई बड़ी लामबंदी नहीं हो सकती। चूंकि हमास को ईरान की शह मिली हुई है, इसलिए उसके इजराइल के खिलाफ मैदान में उतरने की संभावना अधिक जताई जा रही है। मगर वैश्विक मंच पर आज कोई ऐसा देश नहीं है, जो इस तरह किसी आतंकी संगठन के पक्ष में उतरना चाहेगा। इजराइल की दुश्मनी फिलस्तीन से है। फिलस्तीन के हिस्से की जमीन इजराइल ने हथिया रखी है। इसे संयुक्त राष्ट्र के मंच पर भी सुलझाने का प्रयास किया गया, मगर इजराइल के रुख में कोई बदलाव नहीं आया। कोई भी लोकतांत्रिक देश इस तरह किसी देश के भूभाग पर कब्जा करने के प्रयासों को उचित नहीं ठहरा सकता। इसीलिए भारत भी शुरू से फिलस्तीन का पक्षधर रहा है। अब भी वह इजराइल के साथ जरूर है, मगर फिलस्तीन के हक के खिलाफ नहीं है। हालांकि प्रधानमंत्री के इजराइल के साथ खड़े होने की घोषणा पर विपक्षी दलों की प्रतिक्रिया कुछ इस तरह आ रही है, जैसे भारत फिलस्तीन के विरोध में खड़ा है। दुनिया के अनेक देश आतंकवाद का निशाना झेल चुके हैं। अमेरिका, फ्रांस और भारत काफी बड़ा नुकसान उठा चुके हैं। भारत का काफी धन और ऊर्जा इससे निपटने में खर्च होती है। अमेरिका की जुड़वां मीनारों पर हुए आतंकी हमले के बाद जब दुनिया भर के देश आतंकवाद के खिलाफ युद्ध को वचनबद्ध हुए थे, तब भारत भी उनमें अग्रणी था। इसलिए वह कहीं भी हुए आतंकी हमले के विरोध में खड़ा रहता है। वह इजराइल और फिलस्तीन के झगड़े को बातचीत के आधार पर निपटाने का पक्षधर है। हमास जैसे आतंकी संगठनों को प्रश्रय देने के पक्ष में वह कभी हो ही नहीं सकता। इस तरह भारत ने पाकिस्तान और चीन को भी संकेत दिया है कि उन्हें चरमपंथ पर दोहरा रवैया छोड़ कर स्पष्ट रूप से इसके विरोध में खड़ा होना चाहिए।

पारस प्यारा लागो जिनेश्वर प्यारा लागो...

दौसा के आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में गूंजे जयकारे। पदयात्रियों ने की सामूहिक पूजा अर्चना। जयपुर से श्री महावीर जी की पदयात्रा आज़ (शुक्रवार को) पहुंचेगी सिकन्दरा

जयपुर/दौसा. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में मंगलवार, 10 अक्टूबर को संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन एवं संयोजक सुशील जैन के नेतृत्व में संघीजी की नसिया खानिया से रवाना हुई जयपुर से श्री महावीर जी की 37 वीं पदयात्रा के गुरुवार, 12 अक्टूबर को दौसा के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुचने पर दौसा जैन समाज की ओर से भावभीना स्वागत-सत्कार किया गया। पदयात्रा के सह संयोजक पवन जैन नैनवां, सोभाग मल जैन, दिनेश पाटनी ने बताया कि पदयात्रियों ने स्नानादि के बाद मंदिर जी में संगीतमय सामूहिक पूजन की जिसमें पारस प्यारा लागो जिनेश्वर प्यारा लागो.... सहित भक्ति संगीत व नृत्य प्रस्तुति दी गई। संघ की ओर से प्रभारी प्रकाश गंगवाल के नेतृत्व में ज्ञान वर्धक जैन धार्मिक हाऊजी का आयोजन हुआ। अतिथि श्रीमती सुरबाला जैन, सुरेश जैन, अंकित, अंशित जैन थे। संचालन सूर्य प्रकाश छाबड़ा एवं प्रकाश गंगवाल, सलिल जैन ने किया। प्रथम मोक्ष शांति देवी जैन एवं द्वितीय मोक्ष राज कुमार बड़जात्या को मिला। विजेताओं को संघ की ओर से पुरस्कृत किया गया। अन्त में जयकारों के बीच श्री जी के कलशाभिषेक किये गये। माल का पुण्यार्जन

समाजश्रेष्ठी दिलीप, दीपक एवं मोना जैन ने किया। इस मौके पर संरक्षक सुभाष चन्द जैन, संयोजक सुशील जैन, पूर्व संयोजक कुन्थी लाल रावकां, सुरेश ठोलिया, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, प्रकाश गंगवाल, सलिल जैन, अमर चन्द दीवान, मैना बाकलीवाल, राजेन्द्र जैन मोजमाबाद, राज कुमार बड़जात्या, विनोद जैन कोटखावदा, जिनेन्द्र जैन, देवेन्द्र गिरधरवाल, पवन जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण शामिल हुए। पदयात्री प्रातःकालीन भोजन के बाद दौसा से सिकन्दरा के लिए रवाना हुए। रात्रि विश्राम कालाखोह स्कूल में किया। सह संयोजक अशोक पाटोदी एवं दीपा गोधा ने बताया कि पदयात्रा शुक्रवार, 13 अक्टूबर को प्रातः सिकन्दरा के दिगम्बर जैन मंदिर पहुचेगी जहा पर सिकन्दरा जैन समाज द्वारा पदयात्रियों का भावभीना स्वागत-सत्कार किया जाएगा। मंदिर में पूजा, भक्ति संगीत, कलशाभिषेक आदि के आयोजन होगें। गीजगढ में सायकांलीन भोजन के बाद भगवान महावीर की आरती की जावेगी। रात्रि विश्राम तालचिडा स्कूल में होगा। सहसंयोजक भाग चन्द गोधा एवं कुसुम सेठी के मुताबिक 14 अक्टूबर को गुढाचन्द्र जी के श्री दिगम्बर जैन मंदिर पहुचेगी जहां श्री जी की पूजा अर्चना व कलशाभिषेक किये जायेंगे।

कारवां द्वारा कला प्रदर्शनी आज से जेकेके में

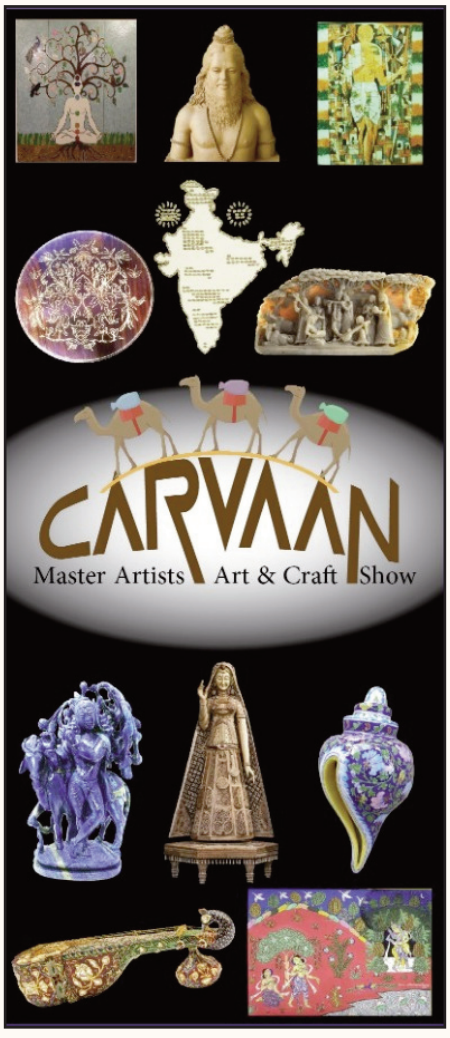

जयपुर. शाबाश इंडिया। कारवां द्वारा तीन दिवसीय कला प्रदर्शनी आज शुक्रवार 11:00 बजे दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हो जाएगी। 13 अक्टूबर शुक्रवार 2023 को जे.के.के में सजेगा कला का संसार। शिल्प गुरु, नेशनल और स्टेट अवार्डी कलाकार अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों के साथ होंगे। शिल्प गुरु गोपाल सैनी, शिल्प गुरु कैलाश शर्मा, शिल्प गुरु विनोद जांगिड़, जेमस्टोन कार्विंग पृथ्वीराज कुमावत, मीनाकारी के मीनाकर मुकेश कुमावत, शीशम की लकड़ी पर तारकशी के कलाकार राजेश कुमार जांगिड़, चावल पर सूक्ष्म लेखन की कलाकार निरू छाबड़ा, मूर्तिकार सुनील प्रजापति, जेमस्टोन पेंटिंग उमेश मारू, जेमस्टोन कार्विंग देवल कुमावत एवं मोजाइक की कलाकार सीमा जैन होंगी। कारवां के प्रमोटर-को ऑर्डिनेटर प्रदीप कुमार छाबड़ा ने बताया कि 79 साल के शिल्पगुरु कैलाश शर्मा जैन (अभ्रंश) शैली के चित्रों के साथ होंगे, युवा कलाकार देवल कुमावत भी अपनी कलाकृतियों दिखाएंगे।

।। श्री महावीराय नमः ।।

प्रतिष्ठाचार्य
स्व. पं. सुरेश कुमार शास्त्री

विधानाचार्य
पं. दीपक कुमार जैन शास्त्री
मोबाइल : 9928612677

स्थानीय विद्वान, श्री दिगम्बर जैन मंदिर, दुर्गापुरा, जयपुर

- पंचकल्यांक प्रतिष्ठा महोत्सव
- बेदी प्रतिष्ठा, वेदी शिलान्यास
- जैन विधि, अनुसार फेरे, ग्रहप्रवेश।
- नींव मुहूर्त, व्यापार पूजन, दीपावली पूजन।
- दशलक्षण महापर्व, अष्टानिक महापर्व
- समस्त विधान-सामग्री सहित, संगीत सहित, मण्डल मांडला सहित।
- विशेष : हमारे द्वारा विधान का मण्डल एवं पुजारी की व्यवस्था भी करवाई जाती है।
- यह सम्मान हमारा नहीं माता जिनवाणी का है

शुद्ध शास्त्रोक्त जैन विधि एवं संस्कृत द्वारा

शारदीय नवरात्र पर विशेषः हाथी पर सवार होकर आएंगी माँ दुर्गा, भैंसे पर जाएंगी पर ज्योतिषीय नजरः बाबा भागलपुर

भागलपुर. शाबाश इंडिया। बिहार ! सनातन धर्म में शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व है। नवरात्रि पर्व के नौ दिनों में माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। मान्यता है कि माँ दुर्गा की आराधना करने से जीवन में आ रही सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं। शारदीय नवरात्रि की शुरूआत अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है। वहीं इसका समापन दशमी तिथि को विजयदशमी पर्व के साथ हो जाता है। इस सम्बन्ध में अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त ज्योतिष योग शोध केन्द्र, बिहार के संस्थापक दैवज्ञ पं. आर. के. चौधरी उर्फ बाबा-भागलपुर, भविष्यवेत्ता एवं हस्तरेखा विशेषज्ञ ने सुगमतापूर्वक बतलाया किः- आश्विन मास में पड़ने वाले इस नवरात्र को शारदीय नवरात्र कहा जाता है। इस नवरात्र की विशेषता है कि हम घरों में कलश स्थापना के साथ-साथ पूजा पंडालों में भी स्थापित करके जगत जननी माँ जगदम्बा की आराधना करते हैं। अभिजित मुहूर्त्त में कलश स्थापना करना विशेष शुभ फल प्रदायक होगा। अभिजीत मुहूर्त्त सभी शुभ कार्यों के लिए अति उत्तम होता है। जो प्रतिपदा के दिन मध्यान्ह 11:36 से 12:24 तक होगा। आश्विन शुक्ल प्रतिपदा रात्रि 12.33 मिनट तक पश्चात द्वितीया, आश्विन शुक्ल पक्ष प्रारंभ। शारदीय नवरात्र प्रारंभ घटस्थापन 10.24 मिनट के बाद। यद्यपि शुभ चौघड़िया निम्नांकित है। फिर भी अभिजित मुहूर्त्त में कलश स्थापना उत्तम है :15 अक्टूबर, रविवार, सुबह 7:30 से 12:00 बजे तक, दोपहर 1:30 से 3:00 बजे तक घरों में माता के आगमन का विचारः- देवी भागवत पुराण के अनुसार शशिसूर्ये गजरूढा शानिभौमे तुरंगमे। गुरौशुक्रेच दोलायां बुधे नौका प्रकीर्तिता। नवरात्र की शुरूआत 15 अक्टूबर 2023, रविवार से हो रही है। अतः घरों में माता का आगमन गज की सवारी पर होगा। जो मानव के लिए सामान्य फल दायक एवं वर्षा कारक होगा। आमजनों के स्वास्थ्य एवं धन पर सामान्य प्रभाव पड़ सकता है। पूजा पंडालों में माता के आगमन का विचार सप्तमी तिथि के अनुसार किया जाता है एवं गमन के विचार दशमी तिथि से किया जाता है। सप्तमी तिथि को शनिवार होने से बंगिया पद्धति के अनुसार देवी का आगमन तुरंग पर होगा। इस प्रकार घरों में माता का आगमन हाथी एवं पूजा पंडालों में माता का आगमन तुरंग अर्थात घोड़े पर हो रहा है। जो छत्र भंग कारक, कष्टप्रद तथा पड़ोसी राष्ट्रों से विवाद या युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। आराधना करने से जगत जननी माँ जगदम्बा का आशीर्वाद हम सभी के लिए शुभ-मंगल दायी ही होगा। रात्रि कालीन अष्टमी की महानिशा पूजा 21 अक्टूबर 2023, दिन शनिवार को रात में ही होगी। महाअष्टमी का व्रत पूजा 22 अक्टूबर दिन रविवार को किया जाएगा एवं 22 अक्टूबर को ही संधि पूजा का समय सायं 5:01 बजे से लेकर के 5:49 बजे तक का होगा। महानवमी का मान्य 23 अक्टूबर दिन सोमवार को होगा एवं पूर्व नवरात्रि के समापन का हवन पूजन में नवमी तिथि पर्यंत 23 अक्टूबर दिन सोमवार को दिन में 3:10 बजे तक कर लिया जाएगा। 23 अक्टूबर को सोमवार को ही अपरान्ह काल में दशमी तिथि तथा श्रवण नक्षत्र प्राप्त होने के कारण विजय दशमी के पर्व का भी मान्य होगा। दशमी तिथि में माता के गमन का विचार किया जाता है। अतः जगदम्बा का प्रस्थान इस वर्ष महिषा अर्थात भैंसे पर होगा जो शुभ फलदायी नहीं होता है। अर्थात राष्ट्र में तनाव की स्थिति को उत्पन्न करने के साथ-साथ शोक कारक हो सकता है। पूर्ण नवरात्र व्रत का पारण उदय कालिक दशमी तिथि 24 अक्टूबर दिन मंगलवार को किया जाएगा। उदय कालिक दशमी तिथि को मानने वाले पूजा पंडालों में स्थापित माता दुर्गा के प्रतिमाओं का विसर्जन 24 अक्टूबर दिन मंगलवार को भी कर सकते हैं।

सर्वतोभद्र मंडल विधान श्री आदिनाथ भवन मीरा मार्ग मानसरोवर में आज 13 अक्टूबर से

जयपुर. शाबाश इंडिया

सर्वतोभद्र मंडल विधान मीरा मार्ग में दिनांक 13 अक्टूबर से लगभग 31 वर्ष के पश्चात जयपुर में सर्वतोभद्र मंडल विधान श्री आदिनाथ भवन मीरा मार्ग में प्रारंभ होने जा रहा है। समिति के सांस्कृतिक मंत्री जम्मू कुमार सोगाणी ने बताया कि 13 अक्टूबर को प्रातः 6:30 बजे घटयात्रा गाजे बाजे के साथ मंदिर जी से प्रारम्भ होकर मध्यम मार्ग होते हुए श्री आदिनाथ भवन पहुंचेगी। प्रातः 7:00 बजे ध्वजारोहण उत्तमचंद पंकज जैन बोहरा (खेरली वाले) परिवार द्वारा होगा इसके पश्चात 7:15 बजे पांडाल उद्घाटन और समवशरण उद्घाटन शांति कुमार श्रीमती ममता सोगानी (जापान वाले) सोगानी ज्वेलर्स परिवार द्वारा होगा। इसके पश्चात 7:30 बजे से अभिषेक व पूजन/ विधान की क्रियाएं प्रारंभ होगी। समिति के मंत्री राजेंद्र कुमार सेठी ने बताया कि इस विधान में बैठने के लिए लोगों में भारी उत्साह है। सभी लोग पूरे भक्ति भाव से विधान कर सके इसकी पूरी व्यवस्था समिति ने कर रखी है। विधान के पश्चात सभी पूजनार्थियों के लिए शुद्ध भोजन की व्यवस्था की गई है। इस विधान में लगभग 700 लोग बैठकर धर्म लाभ प्राप्त करेंगे प्रतिदिन साइकिल में साइकिल में मैं आरती के पश्चात विधानाचार्य विजय भैया लखनादौन के प्रवचन होंगे उसके पश्चात एलइडी टीवी द्वारा प्रत्येक पूजा का भावार्थ समझाया जाएगा। श्री वाणी चैनल द्वारा इसका प्रतिदिन लाइव प्रसारण किया जाएगा। आप लोगों से अनुरोध है कि समय पर पधारकर धर्म लाभ ले।

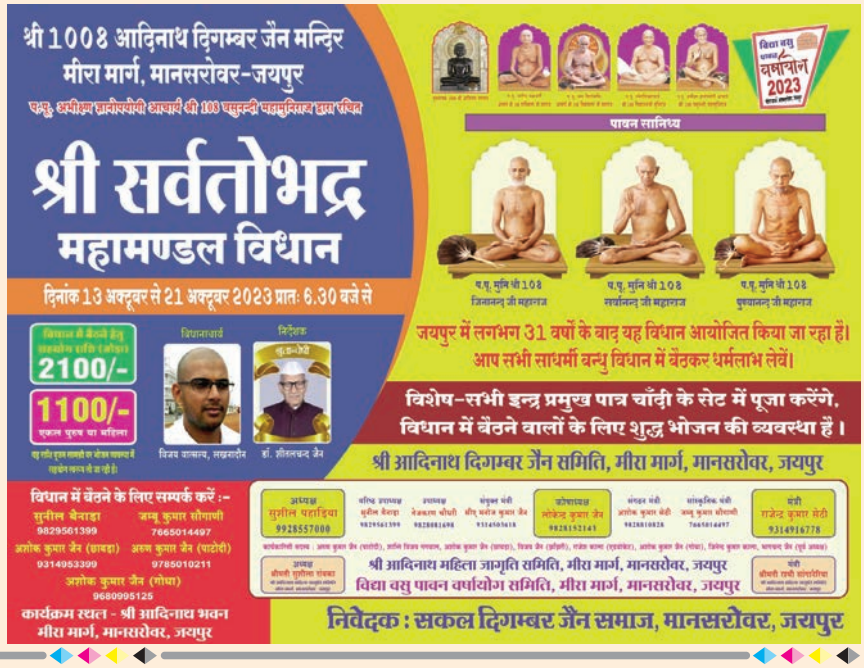

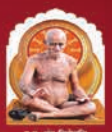

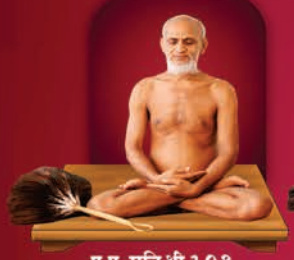

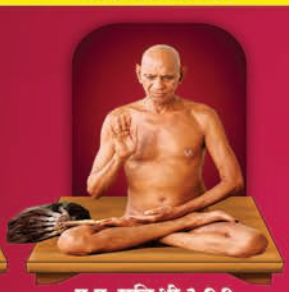

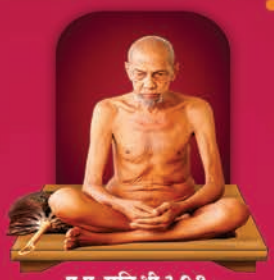

श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
मीरा मार्ग, मानसरोवर-जयपुर
प.पू. अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री 108 वसुनन्दी महामुनिराज द्वारा रचित
श्री सर्वतोभद्र महामण्डल विधान
दिनांक 13 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2023 प्रात: 6.30 बजे से
पावन सानिध्य
प.पू. मुनि श्री 108
जिनानन्द जी महाराज
प.पू. मुनि श्री 108
सर्वानन्द जी महाराज
प.पू. मुनि श्री 108
पुण्यानन्द जी महाराज
जयपुर में लगभग 31 वर्षों के बाद प.पू. अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री 108 वसुनन्दी महामुनिराज के आशीर्वाद से श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, मीरा मार्ग में प.पू. अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री 108 वसुनन्दी महामुनिराज द्वारा रचित श्री 1008 सर्वतोभद्र महामण्डल विधान का आयोजन प.पू. मुनि श्री 108 सर्वानन्द जी महाराज, प.पू. मुनि श्री 108 जिनानन्द जी महाराज एवं प.पू. मुनि श्री 108 पुण्यानन्द जी महाराज ससंघ के सानिध्य में होने जा रहा है।
आप सभी साधर्मी बन्धु विधान में बैठकर धर्मलाभ लेवें।
वात्सल्य आमंत्रण
विधानाचार्य
विजय वात्सल्य, लखनादौन
निर्देशक
श्रुतान्वेषी
डॉ. शीतलचन्द जैन
कुबेर इन्द्र
महायज्ञनायक
श्री रूपचन्द जी
श्रीमती सरदार देवी
एवं
समस्त बाकलीवाल परिवार
शान्ति नगर
डॉ. भागचंद जी-डॉ. शालिनी जी
आदित्य जी, सनत जी जैन
श्री सुभाष जी-रेनू जी, मनन जी-निशु जी
मीनल, निशांत, योगांश (आदिकुमार) ढोलिया
घटयात्रा प्रात: 6.30 बजे जैन मंदिर से रवाना होकर आदिनाथ भवन पहुँचेगी।
प्रात: 7.15 बजे -ध्वजारोहण
प्रात: 7.30 बजे - पाण्डाल उद्घाटन
प्रतिदिन सायं 6.00 बजे - मंगल आरती एवं तत्पश्चात् विधानाचार्य विजय भैया लखनादौन के प्रवचन
विधान में बैठने हेतु सहयोग राशि (जोड़ा)
2100/-
1100/-
एकल पुरुष या महिला
यह राशि पूजन सामग्री एवं भोजन व्यवस्था में सहयोग स्वरूप ली जा रही है।
श्रीमती लीला देवी, पवन जी-रेणु जी,
ऋचा जी, अनुलिका जी पाटनी
श्री अशोक जी-विजयलक्ष्मी जी
अंकुर जी जैन
श्री सारसमल जी, पदम जी, आशिश जी झांझरी
आयोजक
श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
अध्यक्ष सुशील पहाडिया 9928557000
वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाड़ा 9829561399
उपाध्यक्ष तेजकरण चौधरी 9828081698
संयुक्त मंत्री सीए मनोज कुमार जैन 9314503618
कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र कुमार जैन 9828152143
संगठन मंत्री अशोक कुमार सेठी 9828810828
सांस्कृतिक मंत्री जम्बू कुमार सौगाणी 7665014497
मंत्री राजेन्द्र कुमार सेठी 9314916778
श्री आदिनाथ महिला जागृति समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
कार्यक्रम स्थल - श्री आदिनाथ भवन, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
विद्या वसु पावन वर्षायोग समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, मानसरोवर, जयपुर

"राज खालसा एड्" द्वारा मेधावी छात्रो को दी जायेगी छात्रवृति

जयपुर. शाबाश इंडिया। हर बुधवार को महिला चिकित्सालय में मरीजों और उनके अटेंडेंट्स के लिए लंगर लगाने वाली स्वयं सेवी संस्था ''राज खालसा एड्'' अब समाज के गरीब और मेधावी छात्र जिन्होंने 12वीं परीक्षा 90प्रतिशत अंकों से पास की है उनका चयन कर उनकी कॉलेज की फीस संस्था द्वारा वहन की जाएगी। इसका अलग से फंड बनाया गया है। संस्था के अध्यक्ष सरदार जसबीर सिंह चावला ने 1लाख रु सलाना और संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भाई रतन सिंह अरोड़ा ने 60 हजार रु सहयोग देकर इस फंड की शुरआत की। दानदाताओं के आर्थिक सहयोग से राज खालसा एड् हर महीने 30 जरूरतमंद परिवारों के घरों में राशन किट पहुंचा रही है और उनकी पहचान सार्वजनिक नही की जाती। एक अन्य प्रस्तावित प्रोजेक्ट में समर्थ परिवारों से अनयूज्ड कपड़े इकठ्ठे करके उन्हे प्रेस और पैकिंग कर गरीब लोगों सम्मानपूर्वक देने की पहल भी संस्था करने जा रही है। इस सेवा का शुआरंभ गारमेंट व्यवसाई सरदार अर्जुन सिंह ने 51 जोड़े देकर किया है। इसके लिए कलेक्शन सेंटर चयनित गुरद्वारा साहिब रखे गए हैं। राज खालसा एड् के 5वर्ष पूरे होने पर पर वर्तमान और भावी सेवाओं को दशार्ता ब्रोशर जारी किया गया । जिसमें प्रधान सरदार जसबीर सिंह चावला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रतन सिंह, महासचिव हरविंदर सिंह पप्पू, केबीजीबी संस्था अध्यक्ष ओंकार सिंह, अर्जुन सिंह, बलबीर सिंह अरोड़ा, बलजीत सिंह, वीरेंद्र सिंह नारंग, मदन मोहन मेहता, और सतपाल सिंह नरूला शामिल हुये। उपरोक्त सेवाओं के लाभार्थी इन मोबाइल नं 9828080299 पर संपर्क कर सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

तीये की बैठक

हमारे पूज्य

श्री सुमति प्रकाश जैन (पाटोदी)

का असामयिक स्वर्गवास दि. 12.10.2023 को हो गया। तीये की बैठक शनिवार दि. 14.10.2023 को प्रात: 9.00 बजे भट्टारकजी की नसियां, नारायणसिंह सर्किल पर होगी। तत्पश्चात घड़ियों का दस्तूर होगा।

शोकाकुल: शारदा जैन (पत्नी) राजेश-रेखा (पुत्र-पुत्रवधु) तन्मय, तन्वी (पौत्र-पौत्री) श्रेयांस, उमेश, विजय-कनक, अशोक-सन्तोष, अनिल-अक्षय, सुनील (भ्राता-भ्रातावधु) ऊषा-बुद्धिप्रकाश पाटनी, ऊषा-प्रदीपजी, इन्दु-अशोकजी (बहिन-बहनोई) शुभा-विकास पाटनी, शिखा-नवीन राँवका (पुत्री-दामाद) राजीव-सपना, रितेश-श्वेता, मोहित-मोनिका, रोहित-आयुशी, पुनीत (भतीजे-भतीजावधु) रागिनी-मुकेश बडजात्या, निशी (भतीजी-दामाद) शुभम-शुभांश (दोहिते), नवीशा (दोहिती) एवं समस्त पाटोदी परिवार 5/247, मालवीय नगर, जयपुर 9828021247 ससुराल पक्ष: अरुण, रूपचन्द, बलवीर बडजात्या एवं समस्त घोडीवाला परिवार)

भगवान श्री राम के जीवन प्रसंगों का होगा मंचन

श्री गणेश पूजन कार्यक्रम संपन्न

विराट नगर. शाबाश इंडिया। कस्बा स्थित श्री रामलीला मैदान में बुधवार को श्री अवधेश कला केंद्र रामलीला मंडल के तत्वावधान में श्री गणेश पूजन का कार्यक्रम विधि विधान से संपन्न हुआ। मंडल महामंत्री मामराज सोलंकी ने बताया कि 15 दिवसीय रामलीला मंचन से पूर्व पंडित गोपाल शुक्ला के आचार्यत्व तथा डॉक्टर एस के सरदाना, विक्की सैनी, अभिनंदन जैन, दीपक सोनी के यजमानत्व में वैदिक विधि विधान से पूजार्चना कर श्री गणेश एवं रामायण की आरती की गई। इस दौरान मंडल के अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, व्यास पीठ के मुरली मनोहर शर्मा, शिव कुमार शर्मा, प्रहलाद इंदौरिया, गणपत लाल शर्मा, दिनेश मुद्गल, पवन बरीठ, उमाशंकर शर्मा, प्रदीप शर्मा, महेश सैनी, रविंद्र इंदौरिया, गणेश योगी, योगेश कौशिक, मुकेश सैनी, हनुमान जांगिड़ वेद प्रकाश चौहान, सहित मंडल के सदस्य तथा अनेक लोग मौजूद थे। रामलीला का समापन 25 अक्टूबर को भगवान राम के राज्याभिषेक के साथ संपन्न होगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सबसे महत्वपूर्ण रैकी स्वयं की है, स्वयं की रैकी, स्वयं की दुआ स्वयं को दो। तुम अपने आप मे बताओ, तुम्हारे मन पर तुम्हें गर्व है या नही : निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

आगरा. शाबाश इंडिया

निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज ने आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सागर सभागार में मंगल प्रवचन को संबोधित करते हुए कहा कि मन को शान्त कैसे करे मन को तृप्त कैसे करे, मन को अनुकूल कैसे बनाये इस बात के लिए सारा संसार पूरी ताकत लगा रहा है साधु संत साधना कर रहे है मन के लिए लेकिन फिर भी ये मन कंही न कंही गड़बड़ कर देता है। कुत्ते के समान है मन, इसको शेर कैसे बनाऊं ये मन बहुत काम का है। जिस वस्तु से जितनी हानि है यदि पॉजिटिव हो जाए तो उससे फायदा भी बहुत है। यदि संसार के सारे चोर, चोरी छोड़कर पुलिस में आ जाये तो कहीं चोरी होगी ही नही। हमारे अपराध करने पर दुनिया दण्ड दे ये लज्जा की बात है और राजा मुझे दण्ड दे तो ये तो और खतरनाक है। ज्ञानी व्यक्ति किसी दूसरे से दण्ड नही लेता, स्वयं दण्ड लेता है और जब कोई व्यक्ति स्वयं दण्ड लेता है तो वही दण्ड सजा नही प्रायश्चित कहलाता है। प्रायश्चित किये हुए अपराध की सजा है लेकिन वह सजा मिली नही गयी है, ली गयी है। सजा तो मिलेगी ही कानून से नही तो कर्म की अदालत में मिलेगी। यह मत समझो कि तुम्हारी भूल सिर्फ तुम्हारे लिए ही घातक है तुम्हारी भूल न जाने कितनों की जिंदगी बर्बाद कर देती है। पापियों की भूल से कोई भूल नहीं होती है, पुण्यात्मा की भूल

से संसार खत्म होता है। एक डाकू डाका डालता है कोई फर्क नही पड़ेगा दुनिया मे लेकिन एक साधु डाकू बन जाए तो सारा जगत लुटेरा बन जाएगा। साधु कोई कृत्य करता है तो उसकी नकल होती है। सबसे महत्वपूर्ण रैकी स्वयं की है, स्वयं की रैकी, स्वयं की दुआ स्वयं को दो। तुम अपने आप मे बताओ, तुम्हारे मन पर तुम्हें गर्व है या नही तुम्हारी आंखों पर तुम्हें गर्व है या नहीं, दुनिया को नहीं। तुम जी रहे हो तुम्हें गर्व है या नहीं। तुम्हें अपने हाथों पर गर्व है या नही। हा है गर्व, इन हाथों से आज तक किसी का बुरा नहीं हुआ। स्वयं की रैकी स्वयं को दो, स्वयं का आशीर्वाद स्वयं को दो। हे आँखे ! तुम धन्य हो, ओहो इन आँखों का उपकार मैं भूल जाऊँ लाखो करोड़ो की जिंदगी बचाई है इन आँखों ने, एक हजार चींटी एक पैर के नीचे आकर मर सकती थी। अपनी जिंदगी को थैंक्स कहो जी। कौन सा पाप किया है इन बेचारी आँखों ने। कोसे वे जो दुनिया को बुरी दृष्टि से देखते है, जिनकी आँखे जीव को चलते हुए न देख करके पैरों से रौंद देती है। एक एक रोम हमारा उपकारी है। हम दुनिया को पुरस्कार देते है, स्वयं के कृत्य का कभी स्वयं को भी पुरस्कार देना चाहिए। धर्मसभा का शुभारंभ संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ कियो साथ ही सौभाग्यशाली भक्तों ने मुनिश्री का पाद प्रक्षालन कियो धर्मसभा में राहुल विहार महिला मंडल एवं अजमेर महिला मंडल द्वारा बहुत सुंदर मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। धर्मसभा का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल ने कियो इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएनसी, नीरज जैन जिनवाणी, हीरालाल बैनाड़ा, मनोज बाकलीवाल, पन्नालाल बैनाड़ा, निर्मल मोठया, राजेश जैन सेठी, अमित जैन बॉबी, अनिल जैन, विवेक बैनाड़ा, नरेश जैन, मीडिया प्रभारी शुभम जैन, राहुल जैन, पंकज जैन, शिवम जैन, रवि जैन, शैलेंद्र जैन अंकेश जैन, सचिन जैन, समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। **रिपोर्ट मीडिया प्रभारी शुभम जैन**

भगवान ऋषभ देव तीर्थ प्रभावक रथ के नगर आगमन पर जैन समुदाय ने किया भावभीना अभिन्नदन

मनोज सोनी.शाबाश इंडिया

निंबाहेड़ा। नगर में गुरुवार को भगवान ऋषभदेव जन्म भूमि अयोध्या तीर्थ प्रभावक रथ के आगमन पर सकल दिगंबर जैन समाज की अगुवाई में भावभीना अभिन्नदन कर विविध धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन संपन्न किए। समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी के अनुसार दिगंबर जैन समाज की सर्वोच्च साध्वी भारतगौरव गणिनीप्रमुख आर्यिका शिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी की पावन प्रेरणा एवं मंगल आशीर्वाद से भगवान ऋषभदेव जन्म स्थली अयोध्या तीर्थ विकास हेतु भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि तीर्थ प्रभावक रथ का अयोध्या से सम्पूर्ण भारत की जैन समाज में जनजागरण हेतु प्रवर्तन किया जा रहा है। गुरुवार प्रातः नगर में अयोध्या तीर्थ प्रभावक रथ चित्तौड़ से निंबाहेड़ा आदर्श कॉलोनी स्थित शांतिनाथ जिनालय पहुंचा। जहां समाज के अध्यक्ष सुशील काला के नेतृत्व में सकल जैन समाज स्तर पर रथ के स्वागत सम्मान कर भव्य अगवानी की गई धर्मावलंबियो ने रथ में विराजित जिन प्रतिमाओं के दर्शन कर धार्मिक आरती पूजा आदि कार्यक्रम संपन्न कर भगवान ऋषभदेव के पालने को झूलाते हुए अपनी भक्ति प्रकट की और तीर्थ विकास के लिए सहयोग देकर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पुण्योपार्जन अर्जित किया।

चन्द्रोदय तीर्थ की प्रतिमा सभी का मन मोह लेती हैं: विजय धुर्रा

दर्शनोदय कमेटी अशोक नगर कमेटी ने किया भक्तामर मंडल विधान

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

तीर्थ क्षेत्र का वातावरण ऐसा हो कि दर्शनार्थी अपने आप दौड़ चला आये ऐसा ही आकर्षक चन्द्रोदय तीर्थ चांद खेड़ी में है एक बार जो व्यक्ति इस तीर्थ क्षेत्र पर आ जाये तो बार बार मन आने को करता है मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज कहते हैं कि संसार की सबसे सुन्दर प्रतिमा कहीं है तो वह चांद खेड़ी के आदिनाथ भगवान एक दम सिम्पल होते हुए उसकी सौम्यता ऐसी है कि वस देखते ही रहो उक्त आश्य केउद्गार चन्द्रोदय तीर्थ चांद खेड़ी स्वागत समारोह में मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने व्यक्त किए।

जगत कल्याण की कामना के लिए की महा शान्ति धारा

इसके पहले आज सुबह अशोक नगर पंचायत कमेटी व दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के सदस्यों ने चन्द्रोदय तीर्थ चांद खेड़ी पहुंच कर चांद खेड़ी के बड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी का अभिषेक किया इसके बाद जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा करने का सौभाग्य पचास वे जन्म दिन पर संजीव श्रागर सुनील कुमार शैलेन्द्र कुमार संजीव कुमार मनीष कुमार श्रागर परिवार, महेंद्र कुमार शैलेन्द्र कुमार पारस गोल्डन शैलू भारत जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल, दर्शनोदय महामंत्री विपिन सिंघई, गिरीश जैन जयपुर, मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ,जैन मिलन अध्यक्ष मनोज भोला, मनोज कुमार, हेमंत कुमार टडैया के साथ अन्य भक्तों ने प्राप्त किया वहीं अष्ट प्रतीहार्य समर्पित करने का सौभाग्य थूवोनजी कमेटी के मंत्री विनोद मोदी मिडिया प्रभारी अरविंद कंचनार आडिटर राजीव चन्देरी संजय गीतगाग चन्द्रेश वंसल सहित अन्य भक्तों ने प्राप्त किया।

भक्तामर महा मंडल विधान में किए अर्घ समर्पित

इसके बाद बड़े बाबा के आंगन में श्री भक्तामर महा मंडल विधान युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्रश्रागर के मंत्रोच्चार के साथ प्रारंभ हुआ विधान के प्रारंभ में मंडल पर शान्ति कलश श्रीमति अंजू संजीव श्रागर श्रीमति कविता शैलेन्द्र श्रागर ने, भक्ति कलश श्रीमति बॉबी विपिन सिंघई श्रीमति अभिलाषा शैलेन्द्र दददा ने मंगल कलश श्रीमति रीना-विजय धुर्रा श्रीमति रितू विनोद मोदी ने शन्ति कलश श्रीमति स्नेहा राजीव चन्देरी श्रीमति वर्षा मनोज भोला ने मंगल कलश श्रीमति पिंकी रोहित सिघई श्रीमति शशि सपना संजय कुमार गुना ने स्थापित किया इसका सम्मान कमेटी के उपाध्यक्ष महेंद्र कासंल लंकी जैन मनोज जैन ने किया।

एक एक कड़े के साथ एक एक थाल समर्पित किया

इसके बाद भक्तों ने पूरे भक्तिभाव के साथ एक एक कड़े के साथ एक एक थालों का समर्पण मंडल पर करते हुए भगवान की महा आराधना की इस दौरान भक्तों ने मंडल पर श्री फल समर्पित करने का भी सौभाग्य प्राप्त किया इस दौरान दर्शनोदय तीर्थ कमेटी के

शिरोमणि संरक्षण संजीव श्रागर ने पचास पेड़ रोपने का संकल्प व्यक्त किए इस दौरान जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल मंत्री शैलेन्द्र श्रागर थूवोनजी महामंत्री विपिन अंस सिंघई मंत्री विनोद मोदी मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा आडिटर राजीवचन्देरी मिडिया प्रभारी अरविंद कंचनार नवीन सर जैन मिलन अध्यक्ष मनोज भोला मंत्री विपिन चन्देरी संगठन के सदस्यों के साथ मंडल पर अर्घों का समर्पण किया।

जीवन में यदि धर्म आ गया तो मुक्ति दूर नहीं: इन्दुप्रभाजी म.सा.

लोभ करने से खुलती इंसान के पतन की राह। रूप रजत विहार में नियमित चातुर्मासिक प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। हम क्रोध, मान, माया व लोभ को दूर करे ओर राग-द्वेष मिटाए तो जीवन में वास्तविक खुशहाली आ जाएगी। जिनवाणी सुनने से आधि-व्याधि मिट जाती है। जीवन में यदि धर्म आ गया तो मुक्ति दूर नहीं है। हमारे जीवन का लक्ष्य कर्मो का बोझ हल्का करना है। बुराई को देखने वालों की कमी नहीं लेकिन अच्छाई को कम देखते है। अवगुण को देखने वाले गुणी को भी अवगुणी बनाने में देर नहीं करते हैं। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में गुरूवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने जैन रामायण का वाचन करते हुए भी विभिन्न प्रसंगों की चर्चा की। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा लोभ मनुष्य के पतन का मार्ग प्रशस्त करता है इसलिए हमेशा लोभ-लालच से दूर रहने का प्रयास करे। हमे जिनशासन का आराधक होने पर गर्व महसूस करना चाहिए। दुनिया में लोभ जैसा रोग और संतोष जैसा योग नहीं है। संतोषी जीवन जीने वाला हमेशा त्याग

प्रत्याख्यान में आगे रहेगा। अन्याय से एकत्रित धन कभी टिकता नहीं है और कुछ वर्षो में सारी संपति का सफाया कर देता है। उन्होंने कहा कि हमे लेना ही नहीं देना भी सीखना चाहिए। पिछले भव में हमने दिया था इसलिए इस भव में मिला है। अभी देना सीख लेंगे तो आगे के भव सुधर जाएंगे। जीवन के अंतिम समय में इंसान को सभी प्रकार की आसक्ति से मुक्त हो जाना चाहिए। आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. ने अधिकाधिक जिनवाणी श्रवण कर धर्म प्रभावना करने की प्रेरणा दी। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा., तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा का सानिध्य भी रहा। धर्मसभा में .अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। बीकानेर से पधारे सुश्रावक मोहनलाल लुणिया ने भी विचार व्यक्त किए। सचांलन समिति के मंत्री सुरेन्द्र चौरड़िया ने किया। नियमित चातुर्मासिक प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है। चातुर्मासकाल में रूप रजत विहार में प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना, दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र का जाप हो रहा है।

गुरू दर्शन की भावना से पहुंचे सुरक्षाकर्मी

बैंक में सुरक्षाकर्मी का कार्य करने वाले गुरूभक्त भी गुरूवार सुबह रूप रजत विहार में महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा के दर्शनों के लिए पहुंचे ओर वंदना कर आशीर्वाद लिया। गुरू दर्शन करने वाले ये भक्त जन्म से भले जैन कुल में नहीं थे लेकिन जैन दर्शन के प्रति गहरी आस्था रखने वाले थे। इनमें से कुछ भक्त तो उनके गांव में जब भी कोई संत-साध्वी पहुंचते है तो उनकी सेवा के लिए भी समर्पित भाव से पूर्ण व्यवस्था करते है। इन्दुप्रभाजी म.सा. ने ऐसे भक्तों को आशीर्वाद देते हुए उनके लिए हार्दिक मंगलकामनाएं व्यक्त की। इन भक्तों में धांधलास के तुषार चारण, रोहिणा के सुरेन्द्रसिंह, बिखरणिया के गिरवरसिंह एवं रेण के सुरेन्द्र सिंह शामिल थे। अरिहन्त विकास समिति की ओर से संगठन मंत्री नवरतनमल बापना ने उनका स्वागत किया।